आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 201 | उज्जैन, गुरुवार 12 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

म.प्र. का पहला रिज़र्वॉयर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर हलाली में-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर में 13 जून को होगा उदघाटन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मत्स्य संपदा योजना में भोपाल के पास हलाली में बनने वाला मध्यप्रदेश का पहला रिज़र्वॉयर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का उ?द्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज़ एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उ?द्घाटन करेंगे। देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केन्द्र सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किये जा

रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज़ से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियाँ नही करते हैं।

देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री होंगे शामिल इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय बैठक में मध्यप्रदेश के मछुआ पालन मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री श्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री सुश्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव श्री सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिये इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी आयोजित होंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन दिये जायेंगे।

दुनिया में सबसे अधिक तेजी से बढ़ रही मुस्लिमों की आबादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। यह खुलासा प्यू रिसर्च सेंटर की स्टडी में हुआ है। इसके अनुसार 2010-2020 के बीच दुनिया में मुस्लिम आबादी 34.7 करोड़ की वृद्धि के साथ बढ़कर 194.6 करोड़ हो गई है। इसकी के साथ मुस्लिम समुदाय की वैश्विक हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत हो चुकी है।

हिंदुओं की आबादी में कितना इजाफा- हिंदुओं की बात करें तो पिछले 10 साल में हिंदू आबादी में इजाफा देखने को मिला है। हालांकि हिंदुओं की वैश्विक हिस्सेदारी 15 प्रतिशत की दर पर ही स्थिर बनी हुई है, यह न तो बढ़ी है और न ही घटी है। शोध में पाया गया है कि इस दर के हिसाब से 2010-2020 के बीच हिंदुओं की आबादी 12.6 करोड़ की वृद्धि के साथ बढ़कर 115.8 करोड़ हो गई है।

प्यू रिसर्च की शोध के अनुसार, ईसाई समुदाय दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समूह बन चुके है। पिछले 10 साल में इनकी आबादी 12.2 करोड़ की वृद्धि के साथ बढ़कर 229 करोड़ हो गई है। इसके बावजूद ईसाई समुदाय की वैश्विक हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है, जो 30% से घटकर 28% रह गई है।

पापा आप पर गर्व है, ऑपरेशन सिंदूर को लीड करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की बेटी ने शेयर किया भावुक पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की अगवाई करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई एक बार फिर सुर्खियों में हैं। 4 जून को उन्हें उत्तर युद्ध सेवा मेडल (ड्डस्रू) से नवाजा गया था। साथ ही सोमवार को उन्हें डीजीएमओ के साथ-साथ डिप्टी चीफ ऑप आर्मी स्टाफ (स्ट्रैटजी) भी नियुक्त कर दिया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की बेटी शरण घई ने पिता के लिए इमोशनल पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में उन्होंने पिता को कूल पिता की कहा है।

शरण घई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, पापा आप पर बहुत गर्व है। यह जानकर खुशी हुई कि अब सब महसूस कर पा रहे हैं कि आप कितने कूल हैं। हमें पता था यह जरूर होगा। आपको ढेर सारा प्यार। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर पा रहीं हूं कि अब आपकी अगली उपलब्धि क्या होगी?

उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित- बता दें कि उत्तम युद्ध सेवा मेडल एक उच्च युद्धकालीन सैन्य सम्मान है। आमतौर पर यह मेडल संघर्ष के दौरान दी गई किसी असाधारण सेवा के लिए दिया जाता है।

ओसामा ने छुपने के लिए पाकिस्तान ही क्यों चुना? जयशंकर ने आतंक के मुद्दे पर PAK को घेरा, विदेशी मीडिया को भी सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं से मिलने के लिए ब्रुसेल्स में हैं। इस दौरान उन्होंने एक समाचार वेबसाइट से बातचीत करते हुए पश्चिमी देशों को आईना दिखाया। जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि पश्चिमी देशों को कश्मीर में आतंकवाद के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली की कार्रवाई को भारत बनाम आतंकवाद के मुद्दे के रूप में देखना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा कि इस लड़ाई को केवल दो पड़ोसी देशों के बीच सीमा विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यूरोपीय समाचार वेबसाइट यूरैक्टिव से बात करते हुए विदेश मंत्री ने यूरोप की बदलती भू-राजनीति और भविष्य में बेहतर यूरोपीय संघ-भारत संबंधों की उम्मीदों पर भी विचार किया।

विदेशी मीडिया को भी सुनाई खरी-खरी- एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साक्षात्कार के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की कार्रवाई को दो परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की आलोचना की।

उन्होंने एक सवाल के जवाब के जवाब में कहा कि मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं। ओसामा बिन लादेन नाम का एक व्यक्ति था। वह वर्षों तक क्यों पाकिस्तानी शहर में रहा। वह पाकिस्तान के किसी शहर में कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करता रहा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे, यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है। और यही आतंकवाद अंततः आपको परेशान करेगा।

रॉकेट में खराबी के कारण टला एक्सिओम-4 मिशन, शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष जाने के लिए करना होगा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) ले जाने वाले एक्सिओम स्पेस के मिशन एक्सिओम-4 को एक बार फिर स्थगित कर दिया है। यह मिशन बुधवार की शाम को लॉन्च किया जाना था लेकिन फाल्कन-9 रॉकेट में खराबी के कारण इस प्रक्षेपण को रोक दिया गया है। इसकी जानकारी खुद इसरो ने एक्स पर दी है।स्पेसएक्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रक्षेपण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फाल्कन 9 रॉकेट में तकनीकी खराबी के कारण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए मिशन को स्थगित कर दिया गया है। प्रक्षेपण की नई तारीख अभी तय नहीं हुई है।

इसरो ने पोस्ट कर बताया कि चेकिंग के दौरान फाल्कन-9 रॉकेट में लीकेज का पता चला है, इंजीनियरों ने स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट में लीक को ठीक करने के लिए और समय मांगा है। स्पेसएक्स ने कहा मरम्मत का काम एक बार पूरा हो जाने पर हम एक नई लॉन्च तिथि साझा करेंगे।

शुभांशु होंगे पायलट- शुभांशु के साथ जाने वाले अंतरिक्षयात्रियों में पोलैंड से स्लावोस्ज उज्नांस्की-विस्नीवस्की, हंगरी से टिबोर कापू और मिशन की कमांडर अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन शामिल हैं। शुभांशु मिशन के पायलट होंगे। एक्सिओम-4 मिशन को पहले भी दो बार टालना पड़ा था। अंतरिक्षयात्रियों को 29 मई को रवाना होना था, लेकिन इसे आठ जून तक टाला गया। इसके बाद इसे 10 जून तक टाला गया।

कैलास यात्रा के लिए नाथू ला व लिपुलेख ला बनीं अस्थायी इमिग्रेशन चौकिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैलास मानसरोवर तीर्थयात्रियों के लिए भारत में प्रवेश और निकासी के लिए नाथू ला (सिक्किम) और लिपुलेख ला (गुंजी, उत्तराखंड) को अस्थायी रूप से अधिकृत इमिग्रेशन चौकियां नामित किया गया है। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने सोमवार को दी।

विदेश मंत्रालय हर वर्ष जून से सितंबर के बीच कैलास मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है, जो दो मार्गों (लिपुलेख पास और नाथू ला पास) से होती है।

भारत सटीक मौसम पूर्वानुमान में विकसित देशों के समकक्ष पहुंचा, अमित शाह ने मोदी सरकार को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि एक दशक पहले भारत मौसम पूर्वानुमान में काफी पीछे था, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इस मामले में विकसित देशों के समकक्ष पहुंच गया है।

अमित शाह ने दिए ये आदेश- बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को प्रभावी बाढ़ प्रबंधन के लिए राज्यों के साथ समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

देश का आपदा प्रबंधन जीरो कैजुअल्टी अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा- शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश का आपदा प्रबंधन जीरो कैजुअल्टी अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। हमें इस मामले में विश्व में नंबर एक बनना है। उन्होंने देश में बाढ़ की समस्या को कम करने के लिए उठाए जा रहे दीर्घकालिक उपायों की समीक्षा की और पिछले वर्ष की बैठक में लिए गए निर्णयों पर उठाए गए कदमों पर चर्चा की।

उन्होंने बैठक में बाढ़ प्रबंधन के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा अपनाई गई नई तकनीकों और उनके नेटवर्क के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन के लिए विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

अमित शाह ने कही ये बात- उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय, एनडीएमए और नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) को ग्लेशियल झीलों की निगरानी करने और किसी भी प्रकार के विस्फोट की स्थिति में समय पर कदम उठाने की सलाह भी दी।

शाह ने कहा कि एनडीएमए को राज्य प्राधिकरणों के साथ बाढ़ की तैयारियों और निवारण के लिए समन्वय करना चाहिए। शाह ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एनडीएमए द्वारा जारी सुझावों को समय पर लागू करने की अपील की।

उन्होंने बाढ़ पूर्वानुमान में सटीकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि बाढ़ निगरानी केंद्रों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। शाह ने नर्मदा नदी के चारों ओर वन क्षेत्र बढ़ाने की बात भी की, जिससे नदी बेसिन को पुनर्जीवित किया जा सकेगा।

अमेरिका में FBI की गिरफ्त में पाकिस्तानी नागरिक, आतंकी हमले की रच रहा था साजिश; यहूदियों की हत्या का था प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। पाकिस्तानी नागरिक पर आतंकवाद की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था। इसके मद्देनजर एफबीआई ने पुष्टि की कि कनाडा में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक को आतंकवाद के आरोपों का सामना करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है।

मुहम्मद शाहजेब खान पर इस्लामिक स्टेट (आईएस) के समर्थन में ब्रुकलिन में एक यहूदी सेंटर पर सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने का आरोप है।

यहूदी समुदाय को निशाना बनाना चाहता था नागरिक- मुहम्मद शाहजेब खान ने इस्लामिक स्टेट के समर्थन में हमले का प्लान बनाया था। उसका मकसद 7 अक्टूबर 2023 को हुए इजरायल पर हमास की हमले की सालगिरह पर इसे अंजाम देना था। शाहजेब का अमेरिका सीमा में घुसकर यहूदी समुदाय पर हमले की साजिश रचने का प्लान था। अमेरिका के न्याय विभाग ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

वहीं एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने पाकिस्तानी नागरिक के प्रत्यर्पण का एलान करते हुए कहा, वह अब अमेरिका पहुंच गया है और वो अमेरिकी न्याय का सामना करेगा।

FBI प्रमुख काश पटेल का बयान - काश पटेल ने आगे कहा, एफबीआई टीमों और हमारे सहयोगियों के शानदार काम ने हमले की योजनाओं को उजागर किया और उन्हें बंद कर दिया। यह मामला दुनिया के हर कोने में आतंकवाद के निरंतर खतरे की याद दिलाता है - साथ ही हमारे यहूदी समुदायों के खिलाफ खतरों में चिंताजनक बढ़ोतरी भी।

आपकी एफबीआई सतर्क रहेगी और उनका मुकाबला करने के लिए 24 घंटे काम करेगी। एक आपराधिक शिकायत के अनुसार, शाहजेब खान कनाडा से न्यूयॉर्क की यात्रा करने और ब्रुकलिन में यहूदी समुदाय के सदस्यों को मारने के लिए स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल करने का इरादा रखता था।

भारतीय नौसेना ने जलते जहाज से 18 लोगों को किया रेस्क्यू, चीन ने भी किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल तट के पास सिंगापुर फ्लैग वाले जहाज में आग लग गई थी। भारतीय नौसेना की तरफ से उसके चालक दल को सफलतापूर्वक बचाने के एक दिन बाद चीन ने भारत का आभार जताया है। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पर लिखा कि जहाज पर सवार 22 लोगों में से 14 चीनी नागरिक थे।

उन्होंने भारतीय नौसेना और मुंबई तटरक्षक बल को जहाज से नागरिकों को बचाने के लिए धन्यवाद दिया। यू जिंग ने एक्स पर लिखा, 9 जून को, एमवी वान हाई 503 में केरल के कोच्चि के पास 44 समुद्री मील दूर जहाज पर विस्फोट हुआ और आग लग गई।

जहाज पर सवार कुल 22 चालक दल के सदस्यों में से 14 चीनी थे, जिनमें 6 ताइवान

के थे। हम भारतीय नौसेना और मुंबई तटरक्षक बल के प्रति उनके तुरंत एक्शन बचाव के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

22 क्रू मेंबर्स में से चार लापता - जहाज पर सवार 22 क्रू मेंबर्स में से चार लोग लापता हैं, पांच घायल हैं, जबकि 18 अन्य को बचा लिया गया है। चीन ने कहा कि वह आगे के रिसर्च अभियान को सफल होने की कामना करता है और घायल क्रू मेंबर्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है।

कैसे हुआ हादसा- यह विस्फोट उस समय हुआ जब जहाज कोलंबो से मुंबई के पास न्हावा शेवा जा रहा था। कोझिकोड से लगभग 70 समुद्री मील की दूरी पर नौकायन करते समय इसके एक कंटेनर में विस्फोट हुआ, जिससे जहाज पर लगी भीषण आग लग गई। जहाज फिलहाल पानी में डूबा हुआ है।

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने कंटेनर मलबे या लोगों के संभावित बहाव पैटर्न को ट्रैक करने के लिए अपने खोज और बचाव सहायता (एसएआरएटी) को सक्रिय कर दिया है, जो पानी में गिर गए हैं। आईएनसीओआईएस ने संभावित तेल रिसाव की भी चेतावनी दी है।

हालांकि किसी भी रिसाव की सटीक मात्रा अभी सामने नहीं आई है, पूर्वानुमान सिमुलेशन से पता चलता है कि तेल 10 जून से 13 जून तक समुद्र तट के बराबर बहेगा, जिसकी निरंतर निगरानी की जा रही है।

भारी विरोध के बीच मुहम्मद यूनुस की ब्रिटेन यात्रा शुरू, सेंट्रल लंदन में लगे वापस जाओ के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को अपनी ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। इस दौरान हीथ्रो हवाई अड्डे के बाहर और सेंट्रल लंदन के एक होटल में सैकड़ों प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। उनके हाथों में काले झंडे और बैनर थे जिनमें से कई पर लिखा था - यूनुस मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों का हत्यारा है।

यूनुस वापस जाओ जैसे नारे लगाए- प्रदर्शनकारियों ने यूनुस वापस जाओ जैसे नारे लगाए और आरोप लगाया कि वह बांग्लादेश में उग्रवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहे हैं।

कई लोगों ने हिरासत में लिए गए हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की भी मांग की और कहा कि इसके बजाय यूनुस को मुकदमे का सामना करना चाहिए और सलाखों के पीछे होना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों में अधिकांश अवामी लीग के लोग- कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि प्रदर्शनकारियों में से अधिकांश अवामी लीग के थे और ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी भी शामिल थे जो 10 महीने पहले यूनुस के सत्ता में आने के बाद से देश छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे।

क्या ट्रंप और मस्क के बीच हो गया 'Patchup', एलन मस्क अब जता रहे अफसोस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ पिछले सप्ताह की गई अपनी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर खेद व्यक्त किया और कहा कि उनकी पोस्ट बात बहुत आगे बढ़ गई।

एलन मस्क ने लिखा, मुझे पिछले सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बारे में लिखी गई अपनी कुछ पोस्टों पर खेद है। बात बहुत आगे निकल गई।

कैसे शुरू हुई थी तकरार- हाल के दिनों में एलन मस्क और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच एक खुलेआम और बहुत ही सार्वजनिक विवाद ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जिसमें दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

ट्रम्प और मस्क के बीच पिछले सप्ताह अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल शुरू हो गया था, जिसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने राष्ट्रपति के स्वीपिंग टैक्स और स्पेंडिंग बिल को नफरती कदम बताया था।

लॉस एंजिलिस में 5 दिन से जारी विरोध प्रदर्शन, ट्रंप ने उतारे मरीन और नेशनल गार्ड; क्या है बवाल की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका का लॉस एंजिलिस शहर सुलग रहा है। वजह है अमेरिका के अधिकारियों का अवैध इमीग्रेशन को रोकने के लिए इस शहर में छापा मारा और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में स्थित लॉस एजेंलिस की आबादी में बेहद विविधता है।

लॉस एंजिलिस को अमेरिका के सबसे धनी और शक्तिशाली लोगों का गढ़ माना जाता है। इस शहर की 56 फीसदी आबादी अंग्रेजी के साथ-साथ स्पेनिश बोलती है। अमेरिका के ऐसे पॉश इलाके में हिंसा यूं ही नहीं भड़की।

इसकी शुरुआत शुक्रवार को हुई, जब लॉस एंजिलिस में इमीग्रेशन और कस्टम इंफोर्समेंट के अधिकारियों ने लैटिन आबादी वाले क्षेत्रों में छापा मारा और अवैध माइग्रेंट्स व गैंग के सदस्य होने का आरोप लगाकर कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद शहर के लोग उग्र हो गए और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी होने लगी। लोगों ने उनपर अंडे फेंककर विरोध प्रदर्शित किया। इसके बाद एजेंसी ने इस विरोध प्रदर्शन को काबू करने के लिए मिर्च स्प्रे और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया।

5 दिन से जारी है विरोध प्रदर्शन- इस एक्शन ने भीड़ के गुस्से को और भड़का दिया और पिछले 5 दिन से शहर में विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने 700 मरीन और 4000 से अधिक नेशनल गार्ड सैनिकों को तैनात किया है। लेकिन विरोध प्रदर्शन रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।

लॉस एंजिलिस में बवाल, जगह-जगह आगजनी और तोड़फोड़; मेयर ने लगाया कर्फ्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन के चलते शहर के बीच में कर्फ्यू लगा दिया दिया है। लॉस एंजिलिस के मेयर ने ये कर्फ्यू लगाया है। मेयर करेन बास ने कहा, मैंने लोकल इमरजेंसी का एलान किया है और लॉस एंजिलस के डाउनटाउन में तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए कर्फ्यू जारी किया है।

मेयर के अनुसार, कर्फ्यू मंगलवार रात 8 बजे (स्थानीय समयानुसार) बुधवार सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। करेन बास ने कहा

कि कर्फ्यू कई दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। मेयर करेन बास ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के अप्रवासी नागरिकों के घरों पर चल रहे छापों के विरोध में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।

यातायात पर भी दिखा प्रदर्शन का असर- सिएटल, ऑस्टिन, शिकागो और वॉशिंगटन, डी.सी. जैसे शहरों में प्रदर्शन भड़क उठे हैं, जहां प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए। इस वजह से फेडरल बिल्डिंग के पास यातायात ब्लॉक रहा।

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में विरोध को शांति, सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय संप्रभुता पर एक पूर्ण हमला बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपने भाषण में ये बात कही है।

ब्रिटेन समेत पांच देशों ने दो इजरायली मंत्रियों पर लगाया प्रतिबंध, गाजा में लगातार कार्रवाई को लेकर उठाया कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के पांच देशों ने इजरायल के दो मंत्रियों को प्रतिबंध लगाया है। ये देश ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और नार्वे हैं। इजरायल के जिन मंत्रियों को प्रतिबंधित किया गया है, वो इतामार बेन-ग्विर और बेजेल स्मोट्रिच हैं।

ये मंत्री अब इन पांच देशों में यात्रा नहीं कर पाएंगे

धुर दक्षिणपंथी विचारधारा वाले इन मंत्रियों पर मंगलवार को प्रतिबंध का एलान किया गया है। बेन-ग्विर और स्मोट्रिच पर वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काने के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया है। ये मंत्री अब इन पांच देशों में यात्रा नहीं कर पाएंगे।

पांचों देशों ने कई मौकों पर इजरायल के लिए समर्थन दिखाया- ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और नॉर्वे, ऐसे देश हैं, जिनको अमूमन अमेरिका और इजरायल का गुट माना जाता रहा है। पांचों देशों ने कई मौकों पर इजरायल के लिए समर्थन दिखाया है। इसके बावजूद इन मंत्रियों को प्रतिबंध किया गया है।

गाजा में इजरायल के आक्रामण जारी - इसकी वजह गाजा में इजरायल की आक्रामक नीति को माना जा रहा है। बैन किए गए दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियों को बढ़ाने के समर्थक हैं। बीते कुछ समय में उन्होंने लगातार फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काई है।

अब माउंट एवरेस्ट के करीब मिला किंग कोबरा, चिंता में क्यों पड़ गए विशेषज्ञ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल के माउंट एवरेस्ट के नजदीक खतरनाक सांपों की मौजूदगी ने विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। द काठमांडू पोस्ट की खबर के मुताबिक, डेढ़ महीने के अंदर 10 जहरीले सांप पकड़े गए हैं। इनमें नौ किंग कोबरा और एक मोनोकल्ड कोबरा शामिल हैं। ये सांप डकशिंकाली नगरपालिका के चार अलग-अलग इलाकों गोपालेश्वर, भंज्यांग, सोखोल और फुलचौक से पकड़े गए।

किंग कोबरा दुनिया का सबसे ज्यादा जहरीले सांपों में से एक है। कोबरा का एक दंश 20 इंसानों या एक हाथी को मारने के लिए काफी है। इन सांपों का माउंट एवरेस्ट जैसे ठंडे इलाके में मिलना चिंता का सबब है।

जंगल में किंग कोबरा के अंडे भी मिले - विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने से ये सांप ऊंचे और पहाड़ी इलाकों में पहुंच रहे हैं। अगर ये सिलसिला जारी रहा, तो इलाके की प्राकृतिक व्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है।

किंग कोबरा और मोनोकल्ड कोबरा आमतौर पर नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र और उत्तरी भारत में पाए जाते हैं। मगर बढ़ते तापमान के कारण अब ये सांप पहाड़ी और ठंडे इलाकों में भी नजर आ रहे हैं।

डकशिंकाली नगरपालिका के वार्ड 1 के अध्यक्ष जया थापा मगर ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, इन सांपों को घरों और आसपास के इलाकों से सांप पकड़ने वाले की मदद से पकड़ा गया और पास के जंगल में छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों ने जंगल में किंग कोबरा के अंडे और घोंसले भी देखे हैं।

एनडीटीवी के मुताबिक, मिथिला वाइल्डलाइफ ट्रस्ट, जनकपुर के सांप बचाव प्रशिक्षक सुबोध आचार्य ने कहा, हो सकता है कि ये सांप लकड़ी और घास के साथ ट्रकों में इस घाटी में आए हों, मगर अब इन्होंने यहां अपना बसेरा बना लिया है।

परिवार की सहमति से की थी हिंदू महिला से शादी, सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने से जेल में बंद मुस्लिम युवक को दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोर्ट ने हिंदू लड़की से पहचान छिपाकर शादी करने वाले आरोपी मुस्लिम युवक को जमानत दे दी है। इस दौरान कोर्ट ने कई अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दो लोगों को साथ में रहने पर बस इसलिए नहीं मना किया जा सकता कि क्योंकि वे अलग-अलग धर्मों के हैं।

कोर्ट ने हिंदू महिला से शादी करने के 6 महीने बाद मुस्लिम युवक की बेल को मंजूरी दे दी है। युवक 6 महीने से जेल में बंद था।

कोर्ट ने सुनाया फैसला

जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी के जरिये दायर अपील पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। बता दें कि शख्स ने उत्तराखंड की लड़की से शादी की थी। जिसके बाद फरवरी 2025 में उत्तराखंड हाई कोर्ट ने इस शख्स को जमानत देने से मना कर दिया था। फिर युवक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

मुस्लिम युवक को क्यों किया था गिरफ्तार - मुस्लिम युवक को उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2018 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत अपनी धार्मिक पहचान छिपाने और हिंदू महिला से धोखाधड़ी कर शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कर्नाटक में बेल्लारी के कांग्रेस सांसद और 3 विधायकों के खिलाफ ED की छापामारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ED ने कर्नाटक वाल्मीकि घोटाले की जांच करते हुए 3 कांग्रेस सांसद और विधायक के खिलाफ छापामारी की। ये छापामारी बेल्लारी के कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और तीन विधायकों के ठिकानों पर की गई है। अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा, बेल्लारी में पांच और बेंगलुरु शहर में तीन परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है।

क्या था आरोप- इनमें तुकाराम और विधायक नारा भारत रेड्डी (बेल्लारी शहर), जे एन गणेश (काम्पली) और एन टी श्रीनिवास (कुडलिगी) के घर शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा कि तलाशी इस आरोप पर सबूत जुटाने के लिए की जा रही है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से निकाले गए धन का इस्तेमाल चुनाव खर्च के लिए किया गया था।

2024 का है मामला - श्रेष्ठ के मुताबिक,2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बेल्लारी सीट के मतदाताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नकद बांटने लिए पैसे का इस्तेमाल हुआ था ।

कुछ वीर कर्म से महान..., इंडिगो की फ्लाइट में BSF जवान का हुआ सम्मान; तालियों की आवाज से गूंज उठा पूरा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एअरलाइन के एक विमान के भीतर की एक तस्वीर इस समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। दरअसल, मंगलवार को विमान के भीतर अचानक तालियों गूंज उठी। विमान में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान साहस दिखाने वाले एक बीएसएफ अधिकारी राजप्पा बीडी यात्रा कर रहे थे। विमान में यात्रा कर रहे यात्रियों ने उनके अद्भुत साहस के लिए उन्हें तालियों से सम्मानित किया।

बता दें कि 10 जून को दिल्ली से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट में अटेंडेंट ने माइक से एक घोषणा की। इस घोषणा के दौरान राजप्पा बीडी की वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को सलाम किया गया। जिसका एक वीडियो बीएसएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है।

लोगों का दिल जीत रहा वीडियो

बीएसएफ द्वारा शेयर किए गए वीडियो के साथ लिखा गया, कुछ वीर जन्म से नहीं, कर्म से महान बनते हैं, दिनांक 10 जून 2025, इंडिगो दिल्ली-बेंगलुरु के विमान कर्मी दल द्वारा बीएसएफ की 165 बटालियन के सहायक उप निरीक्षक राजप्पा बी.डी. द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर में किये गए वीरोचित कार्य का पुनः स्मरण, उनकी कर्तव्यनिष्ठा और देश के लिए समर्पण का सम्मान है। सीमा सुरक्षा बल, अपने बहादुर सीमा प्रहरी को सम्मान देने की इंडिगो की इस पहल के लिए उनका आभार व्यक्त करता है। सीमा सुरक्षा बल राष्ट्र रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण हेतु समर्पित है।

विमान में घोषणा का दौरान कहा गया कि इस उड़ान में एक बेहद खास यात्री का सम्मान हमारे लिए गौरव की बात है। सात और आठ मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा सुरक्षा बल की 165वीं बटालियन के सहायक उप निरीक्षक राजप्पा बीडी ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारी गोलीबारी के बीच अपने साथियों करते हुए गंभीर चोट खाई। उनके साहसिक और निस्वार्थ काम के लिए आइए हम उनका सम्मान करते हैं।

सोनम के परिवार को सब कुछ पहले से पता था... राजा की मां का सनसनीखेज खुलासा; प्रेमी राज की मां ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के व्यापारी राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले की जांच चल रही है। पुलिस सभी एंगल से तहकीकात कर रही है। इस बीच दिवंगत राजा की पत्नी ने एक सनसनीखेज आरोप सोनम और उसके परिवार पर लगाया है।

राजा रघुवंशी की मां उमा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सोनम और उसके परिवार लोगों को पहले से पता था कि आगे क्या होने वाला है। उमा ने आरोप लगाया कि सोनम पहले से किसी व्यक्ति के साथ रिश्ते में थी।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक राजा की मां उमा ने कहा कि वह किसी पर भी हत्या का आरोप नहीं लगा रही हैं। हालांकि, सोनम की मां को मेरे बेटे से शादी के पहले राज के बारे में पता होना चाहिए। उमा ने कहा कि मैंने एक दिन सोनम को कॉल किया तो पता चला की वह उपवास कर रही है। मुझे नहीं पता कि जिस शख्स से मैं बात कर रहीं हूं वही मेरे बेटा की हत्या कर देगी।

अक्सर मोबाइल में व्यस्त रहती थी सोनम - राजा रघुवंशी की मां उमा का कहना है कि मैंने शादी से पहले उससे बात नहीं की। राजा ने मुझे बताया कि सोनम हमेशा बहुत व्यस्त रहती है और उसे समय नहीं दे पाती है। राजा की मां ने कहा कि उन्हें चिंता थी कि अगर ऐसा ही रहा तो शादी के बाद वह कैसे किसी को समय दे पाएगी।

उमा ने बताया कि शादी के बाद सोनम का व्यवहार बहुत अच्छा था। मैं उसके साथ चार दिन रही। वह बहुत खुश थी, लेकिन वह हर समय अपने मोबाइल फोन पर लगी रहती थी। मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वह कर क्या रही थी।

राज की मां ने कहा- सोनम से नहीं था उसके बेटे का कोई संबंध - इस बीच सोनम के कथित प्रमी राज की मां ने अपने बेटे के ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है। राज की मां चुन्नी देवी ने बताया कि उनको पूरा विश्वास है कि उनके बेटे का अपने नियोक्ता की बेटी सोनम के साथ कभी कोई संबंध नहीं था।

चुन्नी देवी ने कहा कि मुझे कभी नहीं लगा कि उनके बीच कुछ था। राज किसी लड़की से बात नहीं करता था।

आपका ट्रेन टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं... अब 4 घंटे पहले नहीं मिलेगी जानकारी; देशभर में बदलने जा रहा नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए एक नया कदम उठाया है। अब वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को उनकी टिकट की पुष्टि की खबर ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले दी जाएगी। अभी तक यह जानकारी सिर्फ 4 घंटे पहले दी जाती थी।

रेल मंत्रालय ने बताया कि यह एक प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया है, ताकि यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद मिले। इस नए प्रयोग से उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जो वेटिंग टिकट की वजह से अपनी यात्रा को लेकर अनिश्चित रहते हैं। मंत्रालय के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि यह योजना तभी स्थायी होगी, जब यात्रियों से अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा।

पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बीकानेर डिवीजन से- रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना और प्रचार), दिलीप कुमार ने कहा, हमने बीकानेर डिवीजन में इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की है, जहां ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किए जा रहे हैं। अभी तक यह काम 4 घंटे पहले होता था।

उन्होंने आगे कहा, यह यात्रियों की परेशानियों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है, जो वेटिंग टिकट की वजह से अपनी यात्रा को लेकर अनिश्चित रहते हैं। अब अगर उन्हें 24 घंटे पहले पता चल जाए कि उनकी टिकट पक्की हो गई है, तो वे अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं।

टिकट रद करने की नीति में बदलाव नहीं- हालांकि, अगर टिकट पक्की होने के बाद यात्री इसे रद करता है, तो उसे टिकट की राशि का एक बड़ा हिस्सा जुर्माने के तौर पर गंवाना पड़ेगा।

रेलवे की रद करने की नीति के मुताबिक, अगर टिकट ट्रेन के रवाना होने से 48 घंटे से 12 घंटे पहले रद की जाती है, तो यात्री को टिकट की राशि का सिर्फ 25 फीसदी हिस्सा वापस मिलेगा। वहीं, अगर रद्दीकरण 12 घंटे से 4 घंटे पहले होता है, तो 50 फीसदी राशि ही वापस मिलेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

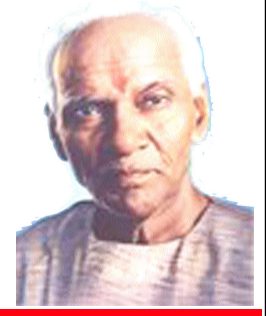

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

अनेक कमर्शियल संस्थानों,इत्यादि अनेक व्यवसायिक क्षेत्रों में छोटे-छोटे बच्चों से श्रम करवाया जाता है

वैश्विक रूप से यह देखा गया है कि अनेक कमर्शियल संस्थानों,औद्योगिक संस्थानों, दवा उद्योग,खेत खलियानों गृहउद्योग,इत्यादि अनेक व्यवसायिक क्षेत्रों में छोटे-छोटे बच्चों से श्रम करवाया जाता है,क्योंकि उन क्षेत्रों में कामों के लिए यह छोटे-छोटे बच्चे आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं और अपेक्षाकृत रोजी या मजदूरी भी इनकी कम होती है, और डेली वेजेस के रूप में रखकर आसानी से अपना काम करवा लेते हैं। दूसरी तरफ हम अनेक चौराहों, बाजारों, हाट बाजारों, में हमने छोटे-छोटे बच्चों को अकेले या अपने मातापिता के साथ खिलौने, खाद्य पदार्थों इत्यादि बेचने को देखते रहते हैं।अनेक बड़ी या छोटी सिटीओ में तो ट्रैफ़िक सिग्नल चौराहों स्टेशनों, बूथों पर अक्सर यह छोटे बच्चे भीख मांगते,सामान बेचते,हमें दिखते रहते हैं। यह नज़ारा हर छोटी बड़ी सिटी के चौराहों पर आसानी से देखने को मिलता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र बाल श्रम उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित करते हुए कहा कि 2025 तक इस प्रथा को समाप्त करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तत्काल कार्रवाई कीआवश्यकता है। आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 12 जून 2025 को बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून 2025-बच्चों को मजदूरी नहीं शिक्षा दिलाएं जो सामाजिक आर्थिक राजनीतिक शैक्षणिक क्षेत्रों का सशक्त उपकरण व रोजगार का अस्त्र है।

साथियों बात अगर हम 2025 तक बाल श्रम के सभी रूपों को समाप्त करने के लक्ष्य की करें तो,विश्व बाल श्रम निषेध दिवस, जिसे हर साल 12 जून को मनाया जाता है,अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा बाल शोषण के गंभीर मुद्दे को उजागर करने और इसे मिटाने के प्रयासों को संगठित करनेके लिए शुरू की गई एक वैश्विक पहल है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2025 और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह आइएलओ और यूनिसेफ़ द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए बाल श्रम पर नए वैश्विक अनुमानों और रुझानों के जारी होने के साथ मेल खाता है।यह महत्वपूर्ण डेटा वैश्विक नीतिगत बहसों का मार्गदर्शन करेगा और सतत विकास लक्ष्य लक्ष्य 8.7 को प्राप्त करनेकी दिशामें प्रयासों को फिर से सक्रिय करेगा।2025 तक सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने का एक लक्ष्य रखा गया है।संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार, सभी देशों को 2025 तक बाल श्रम को समाप्त करने का लक्ष्य दिया गया है। यह लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 8.7 में शामिल है, जो सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने के लिए तत्काल और प्रभावी उपाय करने का आह्वान करता है।कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशनबाल अधिकारों पर लगातार काम कर रहा है फांडेशन की ओर से बाल मजदूरी पर एक जानकारी दी गई है, इसमें बाल मजदूरी से संबंधित कई जानकारी दी गई है,जनगणना 2011 के डेटा के अनुसार, भारत में बाल मजदूरों की संख्या 1.01 करोड़ (10.1 मिलियन) है, इसमें से 0.560 करोड़ (5.6 मिलियन) लड़के और 0.45 करोड़ (4.5 मिलियन) लड़कियां हैं,वहीं हाल के वैश्विक अनुमान के अनुसार 2020 की शुरुआत में वैश्विक स्तरपर 16 करोड़ (160 मिलियन) बच्चे- 6.300 करोड़ (63 मिलियन) लड़कियां और 9.700 करोड़ (97 मिलियन) लड़के - बाल श्रम में थे।

विश्व बालश्रम निषेध दिवस

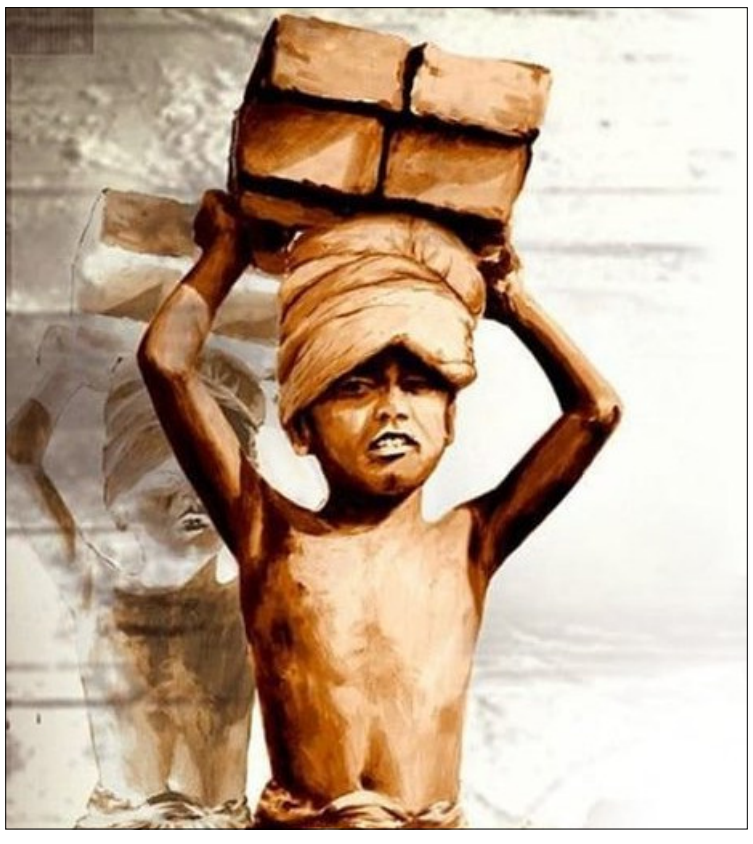

विश्व बालश्रम निषेध दिवस प्रत्येक वर्ष 12 जून को मनाया जाता है। भारत में बालश्रम की समस्या दशकों से प्रचलित है। भारत सरकार ने बालश्रम की समस्या को समाप्त क़दम उठाए हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 खतरनाक उद्योगों में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है। भारत की केंद्र सरकार ने 1986 में बालश्रम निषेध और नियमन अधिनियम पारित कर दिया। इस अधिनियम के अनुसार बालश्रम तकनीकी सलाहकार समिति नियुक्त की गई। इस समिति की सिफारिश के अनुसार, खतरनाक उद्योगों में बच्चों की नियुक्ति निषिद्ध है। 1987 में, राष्ट्रीय बालश्रम नीति बनाई गई थी।

भारत में बालश्रम- भारतवर्ष में प्रारंभ से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता है। ईश्वर के बाल रूप यथा बाल गणेश, बाल गोपाल, बाल कृष्णा, बाल हनुमान आदि इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। भारत की धरती ध्रुव, प्रह्लाद, लव-कुश एवं अभिमन्यु जैसे बाल चरित्रों से पटी हुई है। बच्चों का वर्तमान दृश्य इससे भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। ग़रीब बच्चे सबसे अधिक शोषण का शिकार हो रहे हैं। ग़रीब बच्चियों का जीवन भी अत्यधिक शोषित है। छोटे-छोटे ग़रीब बच्चे स्कूल छोड़कर बाल-श्रम हेतु मजबूर हैं। बाल-श्रम, मानवाधिकार का खुला उल्लंघन है। यह बच्चों के मानसिक, शारीरिक, आत्मिक, बौद्धिक एवं सामाजिक हितों को प्रभावित करता है। बच्चे आज के परिवेश में घरेलू नौकर का कार्य कर रहे हैं। वे होटलों, कारखानों, सेवा-केन्द्रों, दुकानों आदि में कार्य कर रहे हैं, जिससे उनका बचपन पूर्णतया प्रभावित हो रहा है।

भारत के संविधान, 1950 का अनुच्छेद 24 स्पष्ट करता है कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को ऐसे कार्य या कारखाने इत्यादि में न रखा जाये जो खतरनाक हो। कारखाना अधिनियम, बाल अधिनियम, बाल श्रम निरोधक अधिनियम आदि भी बच्चों के अधिकार को सुरक्षा देते हैं किन्तु इसके विपरीत आज की स्थिति बिलकुल भिन्न है। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिए अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया हैं, जिससे बच्चों के जीवन व शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल-श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है। इसमें कोई शक नहीं कि बाल-श्रम की समस्या किसी भी देश व समाज के लिए घातक है। बाल-श्रम पर पूर्णतया रोक लगनी चाहिए। बाल-श्रम की समस्या जड़ से समाप्त होना अति आवश्यक है।

कुछ रोचक आंकड़ें- भारत की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार तो लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इन बालश्रमिकों में से 19 प्रतिशत के लगभग घरेलू नौकर हैं, ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में तथा कृषि क्षेत्र से लगभग 80त्न जुड़े हुए हैं। शेष अन्य क्षेत्रों में, बच्चों के अभिभावक ही बहुत थोड़े पैसों में उनको ऐसे ठेकेदारों के हाथ बेच देते हैं जो अपनी व्यवस्था के अनुसार उनको होटलों, कोठियों तथा अन्य कारखानों आदि में काम पर लगा देते हैं। उनके नियोक्ता बच्चों को थोड़ा सा खाना देकर मनमाना काम कराते हैं। 18 घंटे या उससे भी अधिक काम करना, आधे पेट भोजन और मनमाफ़िक काम न होने पर पिटाई यही उनका जीवन बन जाता है।

केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्ज़ी के अनुसार करने होते हैं। इन समस्त कार्यों के अतिरिक्त कूड़ा बीनना, पोलीथिन की गंदी थैलियाँ चुनना, आदि अनेक कार्य हैं जहाँ ये बच्चे अपने बचपन को नहीं जीते, नरक भुगतते हैं परिवार का पेट पालते हैं। इनके बचपन के लिए न माँ की लोरियां हैं न पिता का दुलार, न खिलौने हैं, न स्कूल न बालदिवस। इनकी दुनिया सीमित है तो बस काम काम और काम, धीरे धीरे बीड़ी के अधजले टुकड़े उठाकर धुआं उडाना, यौन शोषण को खेल मानना इनकी नियति बन जाती है।

वेल्डिंग के कारण आँखें अल्पायु में गवां बैठना, फैक्ट्री के धुंए में निकलते खतरनाक अवशेषों को श्वास के साथ शरीर का अंग बना लेना, जहरीली गैसों से घातक रोगों फेफड़ों का केंसर टी.बी. आदि का शिकार बनना, यौन शोषण के कारण एड्स या अन्य यौन रोगों के कारण सारा जीवन होम कर देना भरपेट भोजन व नींद न मिलने से अन्य शारीरिक दुर्बलताएँ, कहाँ तक इनकी समस्याओं को गिना जाए ये तो अनगिनत हैं। ऐसा नहीं कि केवल लड़के ही बाल श्रमिक हैं लड़कियां भी इन कार्यों में लगी है। घरों में ऐसे लड़के लड़कियां आपको प्राय-मिल जायेंगे जो घरेलू कार्य करते हैं उत्पीडन उनका भी होता है। विभिन्न प्रकार के उद्योग धंधों में लड़कियां कार्यरत हैं बाकी सभी समस्याओं के साथ यौन उत्पीडन उनकी दिनचर्या का एक अंग बन जाता है। ऐसे बाल श्रमिकों से सम्बंधित एक अन्य समस्या है, बहुत बार इन बच्चों को तस्करी आदि कार्यों में भी लगा दिया जाता है। मादक द्रव्यों की तस्करी में व अन्य ऐसे ही कार्यों में इनको संलिप्त कर इनकी विवशता का लाभ उठाया जाता है। बच्चों को मुस्लिम देशों में बेच देने की घटनाएँ भी होती हैं जहाँ बच्चों को मनोरंजन का साधन मान खिलौना बना दिया जाता है वहां के शेखों के लिए।

क्या कहता है भारतीय संविधान-संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप भारत का संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत की विभिन्न धाराओं के माध्यम से कहता है-

14 साल के कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्टरी या खदान में काम करने के लिए नियुक्त नहीं किया जायेगा और न ही किसी अन्य खतरनाक नियोजन में नियुक्त किया जायेगा (धारा 24)।

राज्य अपनी नीतियां इस तरह निर्धारित करेंगे कि श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी क्षमता सुरक्षित रह सके और बच्चों की कम उम्र का शोषण न हो तथा वे अपनी उम्र व शक्ति के प्रतिकूल काम में आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रवेश करें (धारा 39-ई)।

बच्चों को स्वस्थ तरीके से स्वतंत्र व सम्मानजनक स्थिति में विकास के अवसर तथा सुविधाएं दी जायेंगी और बचपन व जवानी को नैतिक व भौतिक दुरुपयोग से बचाया जायेगा (धारा 39-एफ)।

संविधान लागू होने के 10 साल के भीतर राज्य 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे (धारा 45)।

बाल श्रम एक ऐसा विषय है, जिस पर संघीय व राज्य सरकारें, दोनों कानून बना सकती हैं। दोनों स्तरों पर कई कानून बनाये भी गये हैं।

अन्य प्रयास जो इस संदर्भ में समय समय पर हुए हैं उनमें

बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986- यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी अवैध पेशों और 57 प्रक्रियाओं में, जिन्हें बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए अहितकर माना गया है, नियोजन को निषिद्ध बनाता है। इन पेशों और प्रक्रियाओं का उल्लेख कानून की अनुसूची में है।

फैक्टरी कानून 1948 - यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है। 15 से 18 वर्ष तक के किशोर किसी फैक्टरी में तभी नियुक्त किये जा सकते हैं, जब उनके पास किसी अधिकृत चिकित्सक का फिटनेस प्रमाण पत्र हो। इस कानून में 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए हर दिन साढ़े चार घंटे की कार्यावधि तय की गयी है और रात में उनके काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

भारत में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप 1996 में उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से आया, जिसमें संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं और पेशों में काम करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें काम से हटाने और उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।

जनवरी से नहीं मिल पाएगा 8वें वेतन आयोग का फायदा

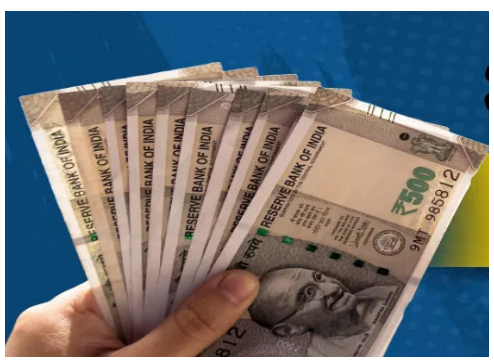

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के 35 लाख कर्मचारियों और 67 लाख पेंशनधारकों को आठवें वेतन आयोग के लिए थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। नया वेतन आयोग वेतन और पेंशन में कितनी बढ़ोतरी की सिफारिश करेगा, इस चर्चा के साथ अब यह इसके अमल में देरी होने की आशंका भी जोर पकड़ने लगी है।

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें जनवरी 2026 से लागू होनी हैं, लेकिन अभी तक सरकार ने आयोग का गठन ही नहीं किया है। कर्मचारी संगठनों ने सरकार से जल्द से जल्द आयोग का गठन करने का आग्रह किया है ताकि कर्मचारियों और पेंशनधारकों के मन में अनिश्चितता दूर हो।

लागू होने की तारीख से पहले आ गई थीं सातवें आयोग की सिफारिशें- केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए हर 10 साल बाद नया वेतन आयोग गठित किया जाता है और उसकी सिफारिशें लागू की जाती हैं। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें जनवरी 2016 में लागू हुई थीं। उस आयोग का गठन फरवरी 2014 में किया गया था और उसने 19 नवंबर 2015 को अपनी रिपोर्ट दे दी थी। लेकिन इस बार अमल में सिर्फ छह माह बाकी रहने के बावजूद न तो आयोग का गठन हुआ है, न ही उसके टर्म्स ऑफ रेफरेंस तय किए गए हैं।

आयोग को सिफारिशें देने में डेढ़ से दो साल लगते हैं - मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों ने यह तो कहा है कि इन पर चर्चा चल रही है, लेकिन इसकी धीमी गति को देखते हुए माना जा रहा है कि 1 जनवरी 2026 से इसे लागू करना संभव नहीं हो पाएगा। अगले कुछ दिनों में अगर आयोग के गठन और उसके टर्म्स ऑफ रेफरेंस की घोषणा होती भी है तो अब तक का इतिहास बताता है कि हर आयोग को अपनी सिफारिशें देने में डेढ़ से 2 साल का वक्त लगा है।

580 करोड़ रुपये के मिले ऑर्डर, रॉकेट बन गया स्मॉलकैप स्टॉक, 320 रुपये के पहुंचे पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स के शेयर रॉकेट बन गए हैं। टैलब्रोस ऑटोमोटिव के शेयर बुधवार को क्स्श्व में इंट्राडे के दौरान 8 पर्सेंट के उछाल के साथ 322.85 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी कई ऑर्डर मिलने के बाद आई है। टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और इसके ज्वाइंट वेंचर्स (संयुक्त उपक्रमों) को घरेलू और एक्सपोर्ट्स मार्केट में 580 करोड़ रुपये के ऑर्डर ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्स से मिले हैं। पिछले 5 साल में कंपनी के शेयरों में 1480 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

मिले ऑर्डर के डीटेल्स- अगर मिले ऑर्डर्स की बात करें तो टैलब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स को 260 करोड़ रुपये (इसमें 150 करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट्स शामिल है) के ऑर्डर मिले हैं, जिसमें 180 करोड़ रुपये के गैस्केट्स एंड हीट शील्ड प्रॉडक्ट्स के सीलिंग बिजनेस ऑर्डर और 80 करोड़ रुपये के फोर्जिंग प्रॉडक्ट्स के ऑर्डर हैं। टैलब्रोस ऑटोमोटिव को अपने ज्वाइंट वेंचर के जरिए 290 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर चेसिस कंपोनेंट्स के लिए है। इसके अलावा, कंपनी को अपने ज्वाइंट वेंचर के जरिए 30 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं।

बड़ी तेजी के बाद बंधन बैंक के शेयरों में लगाना चाहिए पैसा? एक्सपर्ट ने दिया जवाब, टारगेट और स्टॉपलॉस बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंधन बैंक के शेयरों में पिछले कई सप्ताह से लगातार तेजी देखने को मिली है। आरबीआई की पॉलिसी आने के बाद कंपनी के शेयरों में और तगड़ा उछाल आया है, और यह 188 रुपये के स्तर के करीब पहुंच गए हैं। अब सवाल है कि क्या बंधन बैंक के शेयर अपना 52 वीक हाई, 222 रुपये के स्तर को तोड़ेंगे।

निवेशकों के इस सवाल का जवाब मार्केट एक्सपर्ट जिगर पटेल ने दिया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर, जिगर पटेल ने बंधन बैंक के शेयरों पर अहम लेवल बताए हैं।

बंधन बैंक के शेयरों पर टारगेट प्राइस- जिगर पटेल ने कहा, मौजूदा स्तरों पर बंधन बैंक का शेयर आकर्षक लगता है। हालाँकि, यहां थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि ?189 का लेवल इस स्टॉक के लिए अहम रेजिस्टेंस है। इस स्तर पर शेयर को मजबूत प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर बंधन बैंक का शेयर 189 से ऊपर बंद होता है तो 215 तक इसका भाव जा सकता है। वहीं, नीचे की ओर, 170 के पास शेयर का मजबूत सपोर्ट है। ऐसे में इस शेयर में लंबी अवधि के लिए नई खरीदारी 189 से ऊपर ही लेनी चाहिए।

एक साल में दिया नेगेटिव रिटर्न- बंधन बैंक के शेयरों ने पिछले एक साल में 8 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न डिलीवर किया है। जुलाई 2024 से इस बैंक शेयर में 222 रुपये के भाव से लगातार बिकवाली देखने को मिली, और इसने 128 रुपये का स्तर छू लिया था। फिलहाल, बंधन बैंक के शेयरों का भाव 182.33 रुपये है।

7 साल की मंदी के बाद एक महीने में 60% का रिटर्न, अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयरों में आई ऐसी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नामी बिजनेसमैन अनिल अंबानी की कंपनी के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही थी। रिलायंस पावर के साथ-साथ रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में भी उछाल का सिलसिला जारी है। आज भी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। अनिल धीरू भाई अंबानी ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में उछाल की वजह एक खास डिफेंस डील है।

दरअसल, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी, रिलायंस डिफेंस और जर्मनी की डाइहल डिफेंस ने सेना के लिए वल्केनो 155 मिमी प्रिसिज़न गाइडेड म्यूनिशन सिस्टम की तुरंत आपूर्ति के लिए स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की है।

एक महीने में 60त्न तक उछले शेयर- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने पिछले एक महीने में 60 फीसदी तक रिटर्न दिया है। 9 मई से कंपनी के शेयरों में लगातार एकतरफा तेजी देखने को मिल रही है। इस अवधि में कई बार रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर 10 फीसदी से ज्यादा उछला है। आज इस स्टॉक ने 420 रुपये का हाई लगाया और 405 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

रिलायंस इन्फ्रा के ट्रेड 2018 के स्तरों के ऊपर कारोबार करने लगे हैं।

3 दिन से लगातार बढ़ रहा इस IPO का जीएमपी, लिस्टिंग से पहले हर शेयर पर 82 मुनाफा, 13 जून से खुलेगा इश्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 जून से ओसवाल पंप्स का आईपीओ खुलने जा रहा है, लेकिन इससे पहले इस कंपनी के शेयरों का प्राइस ग्रे मार्केट में धूम मचा रहा है। ऐसे में इस पब्लिक इश्यू को लेकर निवेशकों का क्रेज बढ़ता जा रहा है। ओसवाल पंप्स के शेयरो का ग्रे मार्केट प्रीमियम 82 रुपये है, ऐसे में हर शेयर पर इश्यू प्राइस से 82 रुपये का फायदा मिल सकता है।

हालांकि, शेयरों का जीएमपी आधिकारिक नहीं होता है। यह सिर्फ संभावना व अनुमानों पर आधारित रहता है।

आईपीओ प्राइस बैंड और लॉट साइज- ओसवाल पंप्स के इस आईपीओ का प्राइस बैंड 584 से 614 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा, और एक लॉट में 24 शेयर होंगे। ऐसे में रिटेल निवेशकों को एक लॉट खरीदने के लिए हायर प्राइस बैंड के साथ 14736 रुपये का निवेश करना होगा।

इस पब्लिक इश्यू का साइज 1387 करोड़ रुपये है, जिसमें 890 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 497 करोड़ के स्टॉक, ऑफर फॉर सेल के तहत प्रमोटर द्वारा बेचे जा रहे हैं। ओसवाल पंप्स का आईपीओ 13 जून को खुलेगा और 17 जून तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। 20 जून को एनएसई और बीएसई दोनों पर इस पब्लिक इश्यू की लिस्टिंग होने की उम्मीद है।

ओसवाल पंप्स के शेयरों का ग्रे मार्केट प्राइस% लगातार बढ़ रहा है। 9 जून को इसका जीएमपी 50, 10 जून को 67 तो 11 जून को 82 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 82 रुपये के जीएमपी के हिसाब से यह आईपीओ 13 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्टिंग के संकेत दे रहा है।

क्या हैं कंपनी का कारोबार- ओसवाल पंप्स 2003 में स्थापित एक कंपनी है, जो मोटर्स, पाइप और सोलर पंपिंग सिस्टम का प्रोडक्शन करती है।

रेखा झुनझुनवाला ने बेच दिए इस कंपनी के 12 लाख से अधिक शेयर, शानदार रिटर्न देने में फेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिए नजारा टेक्नोलॉजीज में अपने पति की करीब आधी हिस्सेदारी बेचकर 3.6 प्रतिशत कर दी है। रेखा को राकेश झुनझुनवाला की संपत्ति का मैनेजमेंट और एग्जिक्यूशन करने का अधिकार हासिल है। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, झुनझुनवाला ने 9-10 जून, 2025 को गेमिंग एवं ईस्पोर्ट्स कंपनी में करीब 1.4 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 12,36,500 शेयर बेचे।

इससे पहले, उन्होंने दो से छह जून, 2025 के बीच नजारा टेक्नोलॉजीज के 17,38,500 शेयर (कुल शेयर पूंजी का 1.98 प्रतिशत) बेचे थे। कंपनी सूचना के अनुसार, '' इसके अलावा नौ जून और 10 जून, 2025 को अतिरिक्त 12,36,500 शेयर की बिक्री की गई। इस प्रकार नजारा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में झुनझुनवाला के आज की तारीख में 32,08,620 शेयर है, यानी कंपनी की जारी और चुकता शेयर पूंजी का 3.66 प्रतिशत।'' इसमें हालांकि शेयर किस कीमत पर बेचे गए इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बिना प्रमोशन एक लाख कर्मचारी हुए रिटायर, नियम न होने के कारण 9 साल से नहीं हुई बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2002 को वर्ष 2016 में हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा निरस्त करने के बाद से अब तब एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गए। ये सभी पदोन्नति के पात्र हो गए थे लेकिन कोई नियम न होने के कारण विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें ही नौ साल से नहीं हुई।मोहन सरकार ने नए नियम का खाका खींचा

कर्मचारियों की नाराजगी को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर तत्कालीन शिवराज सरकार ने उच्च पदों का प्रभार देने की व्यवस्था बनाई पर यह भी संतुष्ट नहीं कर पाई। मोहन सरकार ने इसे पदोन्नति के लिए पात्र कर्मचारियों के प्रति अन्याय माना और लगातार बैठकें कराकर नए नियम का खाका खींच लिया। यदि सब कुछ ठीक रहा जून में ही नए नियम कैबिनेट के अनुमोदन से अधिसूचित हो जाएंगे।

कोई आगे बढ़ गया तो कोई पीछे छूटा

तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को साधने के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम- 2002 बनाकर लागू किए। इसमें यह प्रविधान किया कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में पदोन्नति में आरक्षण दिया जाएगा। योग्यता सह वरिष्ठता का प्रविधान भी रखा। निर्माण विभाग में इसके कारण एक साथ भर्ती हुए इंजीनियरों में कोई आगे बढ़ गया तो कोई पीछे छूट गया।

2016 में नियम को हाई कोर्ट ने किया निरस्त

इसे लेकर हाई कोर्ट में मामला पहुंचा और 2016 में नियम को इस आधार पर निरस्त कर दिया कि आरक्षण देने से पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा एम नागराज के मामले में पिछड़ेपन, कार्यक्षमता का आकलन करने के लिए अध्ययन कराने के जो निर्देश थे, उसका पालन नहीं किया गया। यह सियासी रूप से सरकार के लिए बड़ा झटका था इसलिए इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा था, कोई माई का लाल आरक्षण...

यहां से यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश मिले तो किसी को पदावनत नहीं करना पड़ा पर पदोन्नति की प्रक्रिया रुक गई। इसी बीच अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संगठन के सम्मेलन में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बयान दे दिया कि कोई माई का लाल आरक्षण खत्म नहीं कर सकता है क्योंकि कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही थी।

बयान का नुकसान भाजपा को 2018 के विधानसभा चुनाव में

इसे लेकर सामान्य वर्ग के कर्मचारी लामबंद हो गए, जिसका नुकसान भाजपा को वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भी हुआ और सत्ता बरकरार रखने से कुछ कदम दूर पार्टी रुक गई। कमल नाथ सरकार बनी और सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई के लिए आवेदन लगाया पर समाधान नहीं निकला।सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज गोरकेला से बनाए नियम सरकार ने पदोन्नति का मामला सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज गोरकेला से नए नियम का प्रारूप बनवाया गया मगर उस पर कोई निर्णय नहीं हो पाया। फिर तत्कालीन गृह मंत्री डॉ। नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में समिति बनाई, जिसने सभी प्रभावित पक्षों से चर्चा के बाद रिपोर्ट तैयार की पर 2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए मामले को लंबित रखा गया।

मोहन सरकार ने समाधान निकालने की इच्छा शक्ति दिखाई

पदोन्नति न मिलने से नाराज कर्मचारियों को साधने के लिए सरकार ने उच्च पद का प्रभार देने का रास्ता निकाला पर यह भी सभी विभागों में लागू नहीं हो पाया। समय गुजरता गया। मोहन सरकार ने पदोन्नति के विवादित विषय का समाधान निकालने की इच्छा शक्ति दिखाई। मुख्य सचिव अनुराग जैन की देखरेख में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे और उनकी टीम ने पदोन्नति से जुड़े सैंकड़ों परिपत्र, न्यायालयों के दृष्टांत और कर्मचारी संगठनों की अपेक्षाओं के आधार पर नए नियम का प्रारूप तैयार किया है, जो अब अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

महिला से युवक ने मांगी स्कूटी, वापस मांगने दी गालियां और धमकी

मुरैना। मुरैना में दबंगई का मामला सामने आया है। जी हां, रिठौरा थाना क्षेत्र के उराहना गांव में महिला ने अपनी स्कूटी परिचित के युवक को दी। पांच से छह दिन बाद भी युवक ने स्कूटी वापस नहीं तो महिला ने उससे स्कूटी वापस मांगी. इस बात से युवक इतना गुस्सा हो गया कि उसने महिला के साथ गाली-गलौच कर दिया।काम पर जाने के लिए मांगा, वापस मांगने पर धमकाने लगा जानकारी के मुताबिक, ख्वाजा नगर ग्वालियर की रहने वाली शबाना अपनी स्कूटी से पांच दिन पहले उरहाना गांव आई थी। इसी बीच उरहाना गांव के जावेद ने उससे कहा कि उसे काम से जाना है और स्कूटी ले गया। इसके बाद उसने स्कूटी वापस नहीं की। जब शबाना ने स्कूटी वापस मांगी तो उसे गाली-गलौच और धमकी देने लगा। पुलिस ने शबाना की फरियाद पर आरोपित जावेद खान के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज किया है।

इधर, घर में घुसकर महिला को लाठी-डंडों से पीटा-मुरैना के ही शांति वेयर हाउस के पीछे शुक्ला कॉलोनी निवासी लक्ष्मी राठौर का राठौर कॉलोनी के विष्णु राठौर व अन्य लोगों से विवाद हो गया। इसी विवाद पर विष्णु राठौर व उसके परिजन लाठी-डंडे लेकर आ गए और लक्ष्मी राठौर की उसके घर में घुसकर पिटई कर दी। पुलिस ने लक्ष्मी राठौर की फरियाद पर आरोपित विष्णु, रामप्रकाश, हरिओम व संतोष राठौर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जीसीएफ में सेना के लिए बनाई जाएगी 18 लाइट फील्ड गन, जानिए क्या है इसकी खासियत

जबलपुर। आयुध क्षेत्र की प्रमुख फैक्ट्रियों में शुमार गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) में बनी लाइट फील्ड गन (एलएफजी) की गूंज फिर सीमा पर सुनाई पड़ेगी। गन का तय समय पर उत्पादन के बाद परीक्षण लांग रूफ रेंज में होगा। भारतीय सेना ने करीब एक दशक बाद एलएफजी को लेकर अपनी रुचि दिखाई है। जिसके बाद 18 गन का उत्पादन जीसीएफ करने जा रहा है। महत्वपूर्ण है कि पूर्व में जीसीएफ में बनने वाली लाइट फील्ड गन का उत्पादन नया आर्डर नहीं मिलने के कारण लगभग बंद कर दिया गया था। आखिरी लाइट फील्ड गन फैक्ट्री ने 2014-15 में बनाई थी।

17 से 19 किमी की दूरी तक गोला दागने वाली यह गन कभी फैक्ट्री का मुख्य उत्पादों में शामिल है। एलएफजी के साथ ही साथ निर्माणी ने सारंग और धनुष तोप पर भी फोकस किया है। लेकिन भार में हल्की एलएफजी को सेना की हरी झंडी मिली तो जीसीएफ के पास तीन अलग तरह के गन बनाने पर तेजी से कार्य शुरू हुआ और इस वित्त वर्ष के शेष माहों में लक्ष्य तक पहुंचने दक्ष टीम जुट गई।एलएफजी की प्रमुख विशेषताएं

यह गन 17 से 19 किमी की दूरी तक गोला दागने में सक्षमप्रति मिनट चार राउंड फायर किए जा सकते हैंइस बैरल फायरिंग पोर्ट पर 360 डिग्री घूम सकता है।

सुस्त पड़ा मानसून-तीन दिनों तक बरकरार रहेंगे सूरज के तेवर, सताएगी गर्मी, नौगांव में पारा 46 डिग्री पार

भोपाल। मानसून पिछले 10 दिनों से मुंबई में ठिठका हुआ है। सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। इसके चलते मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ने लगी है।

मंगलवार को सबसे अधिक 46.1 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी सहित 10 शहरों में लू का प्रभाव रहा। 26 शहरों में दिन का तापमान 40 से 46.1 डिग्री के मध्य दर्ज किया गया। इस दौरान मलाजखंड में पांच और इंदौर में एक मिलीमीटर भी वर्षा हुई।मध्य प्रदेश में आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, तीन दिनों तक गर्मी के तेवर इसी तरह बने रह सकते हैं। हालांकि इस दौरान जबलपुर, इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं राहत की बौछारें पड़ने की भी संभावना है।

14 जून से मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत मिले हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि वर्तमान में हरियाणा, पाकिस्तान एवं उत्तर प्रदेश पर बने चक्रवात के कारण लगातार गर्म हवाएं आ रही हैं।

इस वजह से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस तरह की स्थिति अभी तीन दिन तक बनी रह सकती है। इस दौरान उत्तरी मध्य प्रदेश में लू का प्रभाव भी बना रह सकता है।ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, बालुरघाट से होकर ही गुजर रही है। उत्तरी छत्तीसगढ़ और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। उत्तरी हरियाणा और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना है।उत्तरी पाकिस्तान और उससे लगे पंजाब पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात है। दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य में भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से उत्तरी मध्य प्रदेश, दक्षिणी छत्तीसगढ़, मध्य ओडिशा से लेकर बंगाल की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 19 जून को आएंगी मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी जिले की ग्राम पंचायत तालून में होगा कार्यक्रम

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का आगामी 19 जून को मध्यप्रदेश आगमन प्रस्तावित है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी जिले की ग्राम पंचायत तालून में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में शासकीय सेवकों के स्थानांतरण अब 17 जून तक किए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के संबंध में मंत्रीगण से विचार विमर्श किया।

केंद्र सरकार के 11 वर्ष और राज्य सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल पर होंगे कार्यक्रम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मंत्रि-परिषद प्रसन्नता व्यक्त करती है। सुशासन के संकल्प के प्रति मंत्रि-परिषद प्रधानमंत्री का अभिनंदन का प्रस्ताव पारित करती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अन्नदाता, नारी, युवा और गरीब सहित विभिन्न वर्गों का जीवन बदलने के लिए और उन्हें अधिक से अधिक रोजगार एवं विकास के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस अवधि में केंद्र सरकार द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सभी मंत्रीगण केंद्र की 11 वर्ष की योजनाओं की उपलब्धियां और मध्यप्रदेश शासन की डेढ़ वर्ष की उपलब्धियां नागरिकों तक पहुंचाएंगे। इस संबंध में संकल्प से सिद्धि अभियान भी संचालित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों को दायित्व सौंपे जाएंगे।

स्पिरिचुअल एवं वैलनेस समिट- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गत 5 जून को उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वैलनेस समिट का आयोजन हुआ, जिसमें स्वामी चिदानंद सरस्वती सहित अनेक वैलनेस के क्षेत्र में कार्य कर रहे आध्यात्मिक गुरुओं ने हिस्सा लिया। विभिन्न निवेशकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों सहित 300 से अधिक प्रतिनिधि इस समिट में शामिल हुए। समिट के माध्यम से वैलनेस हॉस्पिटैलिटी और स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 2000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। केरल, उत्तराखंड आदि राज्यों के प्रतिनिधि इसमें विशेष रूप से शामिल हुए। मध्यप्रदेश में यह अपने तरह की प्रथम समिट थी जो सरकार के प्रत्येक सेक्टर में निवेश की संभावनाओं और विकास की परिकल्पना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 11 आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किये जाने का निर्णय लिया गया था। इनमें से पांच कॉलेज की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी है। शेष महाविद्यालय प्रारंभ करने के लिए भी राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। यह कॉलेज वैलनेस केंद्र के रूप में भी कार्य करेंगे।

जिले के 101 शासकीय स्कूलों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया

इंदौर। इंदौर जिले के 101 शासकीय स्कूलों को आधिकारिक तौर पर तंबाकू मुक्त घोषित किया गया है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य अधिकारियों की संयुक्त मुहिम का परिणाम है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह के नेतृत्व में जिले के 101 सरकारी स्कूलों ने तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान दिशा-निर्देशों के सभी मानकों को पूरा किया। इन स्कूलों ने 90 प्रतिशत या उससे अधिक स्कोर हासिल करके यह उपलब्धि प्राप्त की। जिला स्तरीय कार्यक्रम संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में 11 जून 2025 को सुबह 11.30 बजे से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर इन स्कूलों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

सह-जिला नोडल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि उपरोक्त स्कूलों में न केवल तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई है, बल्कि छात्रों और शिक्षकों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। स्कूलों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री और छात्रों में इसकी लत बढ़ रही थी। इस पहल से युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाने और स्वस्थ वातावरण बनाने में मदद मिलेगी। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों ने मिलकर स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए। यह जिले के युवाओं के स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। अन्य स्कूलों को भी इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

दिव्यांग व्यक्ति को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

इंदौर। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में प्रभारी कलेक्टर श्री गौरव बेनल सहित अन्य अपर कलेक्टरों और अधिकारियों ने बड़ी संख्या में नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। जनसुनवाई में आज ग्राम खजूरिया निवासी दिव्यांग आवेदक श्रवण चौहान पहुंचा। उसने श्री बेनल को अपनी समस्या बताई कि मैं दिव्यांग हूं। रहने के लिए कोई स्थायी आसरा नहीं है। मुझे प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया जाये। श्री बेनल ने पात्रता के अनुसार आवास स्वीकृति के निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया।

हजारों वाहन चालकों को 20 किमी अतिरिक्त चलना पड़ेगा, एक साल के लिए मांगलिया-सांवेर रोड बंद

इंदौर। इंदौर में पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के मांगलिया स्टेशन के पास फाटक नंबर 45 को बंद कर रोड पर ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। इसके चलते मांगलिया से सांवेर जाने वाला रास्ता एक साल के लिए बंद हो गया है। इस रास्ते को बंद कर ट्रैफिक को दूसरे रास्तों से डायवर्ट किया जा रहा है। सांवेर जाने के लिए वाहन चालकों को इस रास्ते के बंद होने के बाद से या तो सिंगापुर टाउनशिप वाले अंडरपास से जाना होगा या डकाच्या वाला रास्ता अपनाना होगा। इसके अलावा सीधे क्षिप्रा से उज्जैन तरफ भी जा सकते हैं। इस वजह से वाहन चालकों को अब 20 किमी का अतिरिक्त फेरा लगाना पड़ रहा है। रोज हजारों वाहन 20 किमी अतिरिक्त चलकर अपनी जगह तक जा रहे हैं। इसमें आधे घंटे से अधिक का अतिरिक्त समय लग रहा है। किसान नेता उतरे विरोध में

इंदौर के मांगलिया से सांवेर जाने वाला यह रेलवे फाटक एक साल के लिए बंद रहने वाला है। इस वजह से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब लोग इसके विरोध में भी बोलने लगे हैं।

ओमीक्रॉन से बचाव हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये : संभागायुक्त

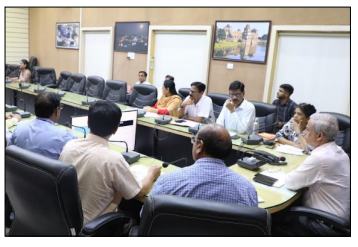

इंदौर। मौसम में आये बदलाव को दृष्टिगत रखते हुए की जा रही तैयारियों के संबंध में आज बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने की। संभागायुक्त ने वर्तमान में मौसम के बदलाव के साथ विभिन्न तरह के वायरस, एन्फ्लुएंजा आदि से श्वसन संबंधी बीमारियों को लेकर की जा रही पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गड़रिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्तमान में प्रचलित ओमीक्रॉन वायरस के कई वेरिएंट इस समय जांच में पाये गये हैं, जिससे खांसी, गले में खरास जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसलिए विशेष सावधानियों की आवश्यकता है। बैठक में निर्देश दिये गए कि जिला एवं विकासखंड स्तर के नगर निकायों के अस्पताल, मेडिकल कॉलेज व अन्य मेडिकल संस्थानों में ओमीक्रॉन से बचाव हेतु उपलब्ध साधनों की समीक्षा की जाये।

मदिरा दुकानों पर अब उपलब्ध होगा QR कोड - विक्रय मूल्य की जानकारी अब उपभोक्ताओं के हाथ में

इंदौर। देशी और विदेशी मदिरा को अधिक मूल्य पर बेचे जाने की शिकायत पर अंकुश लगाये जाने के लिए राज्य शासन द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जारी दिशा-निर्देशानुसार इंदौर जिले की समस्त 173 कंपोजिट मदिरा दुकानों पर त्वरक कोड आधारित नई पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है। अब हर दुकान पर 3 स्थानों पर स्पष्ट एवं पठनीय त्वरकोड चस्पा किए गए हैं। उपभोक्ता अब इस त्वरक कोड को स्कैन कर किसी भी मदिरा ब्राण्ड के न्यूनतम विक्रय मूल्य और अधिकतम विक्रय मूल्य की जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकते हैं। इस व्यवस्था से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। जिसमें अनुचित मूल्य वसूली पर रोक लगेगी। विक्रेताओं की जवाबदेही सुनिश्चित होगी, शिकायत दर्ज कराने का अधिकार एवं सुविधा मिलेगी तथा पूर्ण पारदर्शिता व नियंत्रण रहेगा। उपभोक्ताओं से कहा गया है यदि किसी दुकान पर तय मूल्यों से कम या अधिक मूल्य पर मदिरा बेची जाती है, तो आबकारी विभाग में शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जिससे त्वरित कार्रवाई की जा सके। सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि दुकान पर उपलब्ध त्वरक कोड अवश्य स्कैन करें और अपने अधिकारों की जानकारी रखें। यह पहल उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और पारदर्शी व्यापार व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु की गई है।

निःशुल्क हृदयरोग निदान शिविर 15 जून को इंदौर में

हृदय संबंधी रोगियों का होगा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आगामी 15 जून को इंदौर में आयोजित होने वाली निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में आज बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संभाग के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल हुए। इंदौर से संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा और क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गड़रिया शामिल हुए। यह शिविर श्री सत्य साईं सेवा संगठन मध्यप्रदेश तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में ऐसे बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया जायेगा, जो हृदय की जन्मजात समस्या जैसे एएसडी, वीएसडी, पीडीए, हृदय में छेद आदि स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित है। ऐसे हृदयरोगी मरीजों की विशेषज्ञों द्वारा जांच की जायेगी एवं आवश्यकतानुसार उनका इलाज अहमदाबाद अथवा राजकोट के सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल में किया जायेगा।

बैठक में बताया गया कि संभाग के सभी जिलों में ऐसे बच्चों को चिन्हित कर लिया गया है, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया जाना है। इंदौर जिले में 12 बच्चे हृदयरोगी हैं, जिन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता है। इसी प्रकार बड़वानी में 9, बुरहानपुर में 11, धार में 13, झाबुआ में 13, खरगोन में 10, खण्डवा 11 और आलीराजपुर में 6 बच्चे चिन्हित किये गये हैं। इस प्रकार कुल 85 बच्चे चिन्हित किये गये हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने किया लखपति दीदियों से सीधा संवाद

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने इंदौर जिले के ग्राम पंचायत फुलकराडिया का ओचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा गठित स्व सहायता समूह के सदस्यों से विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर समूह के सदस्यों द्वारा किए जा रहे आय अर्जक गतिविधियों और समूह लेखा संधारण का अवलोकन भी किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने लखपति दीदी योजना के अंतर्गत ग्राम संगठन स्तर पर किए जा रहे सत्यापन कार्य का अवलोकन किया और समूह के सदस्यों से सीधा संवाद किया। इस संवाद में शासन की अन्य योजनाओं से लाभ लेकर किस प्रकार अपनी आजीविका में वृद्धि की जा सकती है, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। श्री जैन ने रेडीमेड गारमेंट्स की संभावनाओं पर भी समूह के सदस्यों से चर्चा की और सिलाई केंद्र स्थापना के संबंध में विचार-विमर्श किया। इस दौरान समूह सदस्यों ने आधुनिक सिलाई मशीनों की उपलब्धता के लिए अनुरोध किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायत उज्जैन के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया गया

स्कूलों, आंगनवाड़ी परिसर के नजदीक स्थित ट्रांसफार्मर को हटाया जाएं- कलेक्टर

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा बुधवार को जनपद पंचायत उज्जैन की ग्राम पंचायत उमरिया खालसा, तालोद, राणाबड़, लेकोडा और गोंदिया का सघन भ्रमण किया गया व प्रगतिरत विकास कार्यों का अवलोकन किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा ग्राम उमरिया खालसा में मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात 52 बीघा क्षेत्रफल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निर्माणाधीन तालाब का अवलोकन किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत भवन के जीर्णोद्धार के उपरांत निर्मित भवन का अवलोकन किया एवं प्रशंसा की। उल्लेखनीय है की जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में क्रियाशील पंचायत भवन का निर्माण किया जा

रहा है।

इसके पश्चात ग्राम तालोद में जैविक पद्धति से खेती करने वाले किसान श्री चंदर सिंह गोयल के केंचुआ खाद यूनिट का अवलोकन किया व कृषक से उनके जैविक कृषि के अनुभव जाने।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम राणाबड़ स्थित प्राचीन बावड़ी का अवलोकन किया और बावड़ी के पुनरुद्धार हेतु निर्देश दिए।

इसके पश्चात ग्राम लेकोडा में ग्रामीण जनों के साथ बैठक की एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली। गांव में नल जल योजना की समीक्षा के दौरान प्रत्येक घर में नल कनेक्शन कर जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान शिक्षा विभाग द्वारा जानकारी दी गई की इस वर्ष स्कूल का रिजल्ट 93त्न रहा है , इस पर कलेक्टर ने प्रशंसा व्यक्त की और इसे अगले वर्ष शत प्रतिशत करने के प्रयास करने के लिए कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने गांव में शांति धाम परिसर का अवलोकन किया व परिसर का रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए व जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निर्मित खेत तालाब का अवलोकन किया।इसके पश्चात ग्राम गोंदिया में सामुदायिक भवन, शेड का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र के समीप ट्रांसफार्मर होने पर निर्देश दिए की सभी स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों के नजदीक स्थित ट्रांसफार्मर को हटाया जाएं। इसके पश्चात ग्राम दाऊद खेड़ी का अवलोकन किया।

नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर अरविन्द नगर में पूनम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। जैन समाज में पूनम का एक अपना महत्व है।पूनम के अवसर पर शहर में कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसी तारतम्य में आज ज्येष्ठ माह की पूनम पर नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर अरविन्द नगर उज्जैन में भक्तामर पाठ व पार्श्वनाथ चालीसा, भव्य आरती पश्चात पार्श्वनाथ पंच कल्याणक पूजन जो महिला मंडल द्वारा पढ़ाई गई का आयोजन हुआ।कार्यक्रम के पश्चात नवकारसी का आयोजन भी किया गया।वीर मणि युवा संगठन का आज के संपूर्ण कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार बागमल केशरीमल मारू, कांतिलाल-सुनीला मारू घनश्याम-कुसुम मारू दीपक-पायल मारू एवं समस्त मारू परिवार (उन्हेल वाले) उज्जैन रहे।कार्यक्रम के लाभार्थी मारू परिवार का बहुमान अरविंद नगर श्री संघ एवं ट्रस्ट द्वारा किया गया।अरविंद नगर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष राकेश कोठारी ने अपने उद्बोधन में पूनम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर माह पूनम पर मंदिर जी में विशेष आयोजन किया जाता है ओर लाभार्थी परिवार की अनुमोदना की। लाभार्थी परिवार के घनश्याम मारू ने नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर के ट्रस्टियों ओर श्री संघ को धन्यवाद देते हुए कहा कि ज्येष्ठ माह की पूनम पर पार्श्व प्रभु की अनुपम भक्ति का लाभ इस बार हमारे परिवार को मिला है । ये हमारे परिवार के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। कार्यक्रम में महिला मंडल, युवा संगठन, समाज के लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना में प्रदेश सहसचिव बनें राहुलसिंह दरबार

उज्जैन। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना (एकीकृत राजपूत युवा संगठन) में पंवासा निवासी राहुल सिंह दरबार को प्रदेश सहसचिव के पद पर नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ठा. शिवप्रताप सिंह चौहान ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए आशा व्यक्त की कि राहुलसिंह दरबार इस पद की महिमा, महत्त्व व सम्मान बनाएं रखते हुवे संगठन द्वारा दिये गये उत्तरदायित्व को अच्छी तरह से निभाएंगे। संगठन की मजबूती में अपना पूर्ण योगदान देंगे।

हम सबका दायित्व है, युवाओं को नशा मुक्त बनाना– प्रो. दलपति

उज्जैन। समाजशास्त्र एवं समाज कार्य अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 26 जून अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन विषय 'युवाओं में नशा प्रवृत्ति की रोकथाम- समाधान एवं चुनौतियां' पर संपन्न हुआ।

मुख्य वक्ता प्रो. तापस दलपति डीन सामाजिक विज्ञान केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने कहा नशा मुक्त भारत अभियान 272 जिलों में चलाया गया था। नशा के सेवन में शराब, गांजा, कोकीन और सहजता से उपलब्ध होने वाले भांग, विक्स आदि शामिल होते हैं। इनकी लत भारत में एक महत्वपूर्ण और बढ़ती हुई चिंता है जो व्यक्तियों, परिवारों और समाज के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती हैं। यह विशेष रूप से युवा पीढ़ी को प्रभावित करती है जो न केवल उनके भविष्य, स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। साथ ही परिवार व समाज के विकास को अवरूध्द करती है। युवाओं को इस संकट में आने से बचाने के लिए पारिवारिक वातावरण, लालन, पालन, पारंपरिक सांस्कारित तरीके से करने की जिम्मेदारी माता के साथ पिता पर भी है। इस बात का विशेष ध्यान देना होगा। खराब पारिवारिक वातावरण जैसे कारक युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाती है।

संगठन सृजन अभियान में आज होगा माधव नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में संवाद

उज्जैन। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान अन्तर्गत आज 12 जून को प्रातः 11 बजे से माधव नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ब्लॉक अध्यक्ष सतीश मरमट ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस माधव नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा आनद मांगलिक परिसर भवन उदयन मार्ग पर आयोजित इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता रागिनी नायक सहित शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, शहर कांग्रेस प्रभारी अमित शर्मा, प्रभारी प्रतिभा रघुवंशी संवाद करेंगे। ब्लॉक के सभी वरिष्ठ कांग्रेस जन, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष, बी एल ए, सहित समस्त ऊर्जावान कार्यकर्ता से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

वनिता मंडल ने मनाया वट सावित्री पौर्णिमा उत्सव

वट पौर्णिमा पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता के साथ हुए रोचक खेल

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज उज्जैन की महिला शाखा वनिता मंडल ने धूमधाम से वटसावित्री पौर्णिमा उत्सव मनाया।

इस कार्यक्रम में महिलाओं को वटसावित्री पूजन का वैज्ञानिक एवं पौराणिक महत्व सीमा धुळेकर ने बताया। साथ ही वट पौर्णिमा पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें प्रथम सुनंदा वैद्य, द्वितीय शिवांगी खानखोजे, तृतीय वंदना निमोणकर रहीं। इस दौरान कुछ रोचक खेल भी खिलवाये गये जिसमें पत्ते कौन जीता प्रतियोगिता में अरुणा जोगळेकर प्रथम, द्वितीय स्नेहा भालेराव और तृतीय अपर्णा पेंढारकर रही। एक रोचक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित हुयी जिसमें विजेता स्नेहा भालेराव, अनिता देशमुख, लता हर्षे, सुनंदा गाडगिल, सरिता ठाकरे घोषित हुयी। कार्यक्रम का संचालन कीर्ती पटवर्धन द्वारा किया गया एवं आभार वनिता मंडळ संयोजिका आरती वझे ने माना। वनिता मंडल कार्यकारिणी एवं समाज की बहनें बड़ी संख्या में उपस्थित हुई।

ज्योतिषाचार्य पं. मोरेश्वरशास्त्री दीक्षित समिति द्वारा कालिदास जयन्ती समारोह 22 जून को

उज्जैन। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, पचांगकर्ता पं. मोरेश्वरशास्त्री दीक्षित समिति द्वारा कवि कालिदास जयन्ती समारोह आगामी 22 जून को त्रिवेणी संगृहालय में मनाया जाएगा जिसमें अनेकों विद्वान् द्वारा कवि कालिदास जी से जुड़े प्रसँग सुनाएंगे।

कवि कालिदास राजा विक्रमा दित्य के नौ रत्नों में से एक थे द्य देशभर के अनेकों विद्वानों में कवि कालिदास की जन्मतिथि को लेकर मतभेद हैं जिसे ज्योतिषाचार्य पं. मोरेश्वरशास्त्री दीक्षित जी ने गहन शोध के बाद महाकवि कालिदास जी की जन्मतिथि 22 जून निर्धारित की जो आज भी इस शोध की प्रति लिखित में मौजूद हैं।

सन् 1984 में सर्व प्रथम पं. मोरेश्वरशास्त्री दीक्षित जी ने महाकवि कालिदास जयन्ती का आयोजन माँ गढ़कालिका के दरबार से शुरू किया था जो आज तक अनवरत रूप से जारी हैं जिसका श्रेय दीक्षित परिवार को जाता हैं। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पं. मोरेश्वरशास्त्री दीक्षित समिति द्वारा महाकवि कालिदास जयन्ती समारोह का आयोजन दिनाँक 22 जून को त्रिवेणी संगृहालय में संध्या 7 बजे आयोजित किया जा रहा है जिसमें कई विद्वानों, संस्कृताचार्य एवं ज्योतिषाचार्य तथा राजनीति से जुड़ी हस्तियां कार्यक्रम में सहभागिता कर अपने अपने प्रसँग सुनाएंगे द्य यह जानकारी कवि कालिदास समारोह समिति के मीडिया प्रभारी पं. योगेश शर्मा (पत्रकार) ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com